चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 जून 2026, अंक –297.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

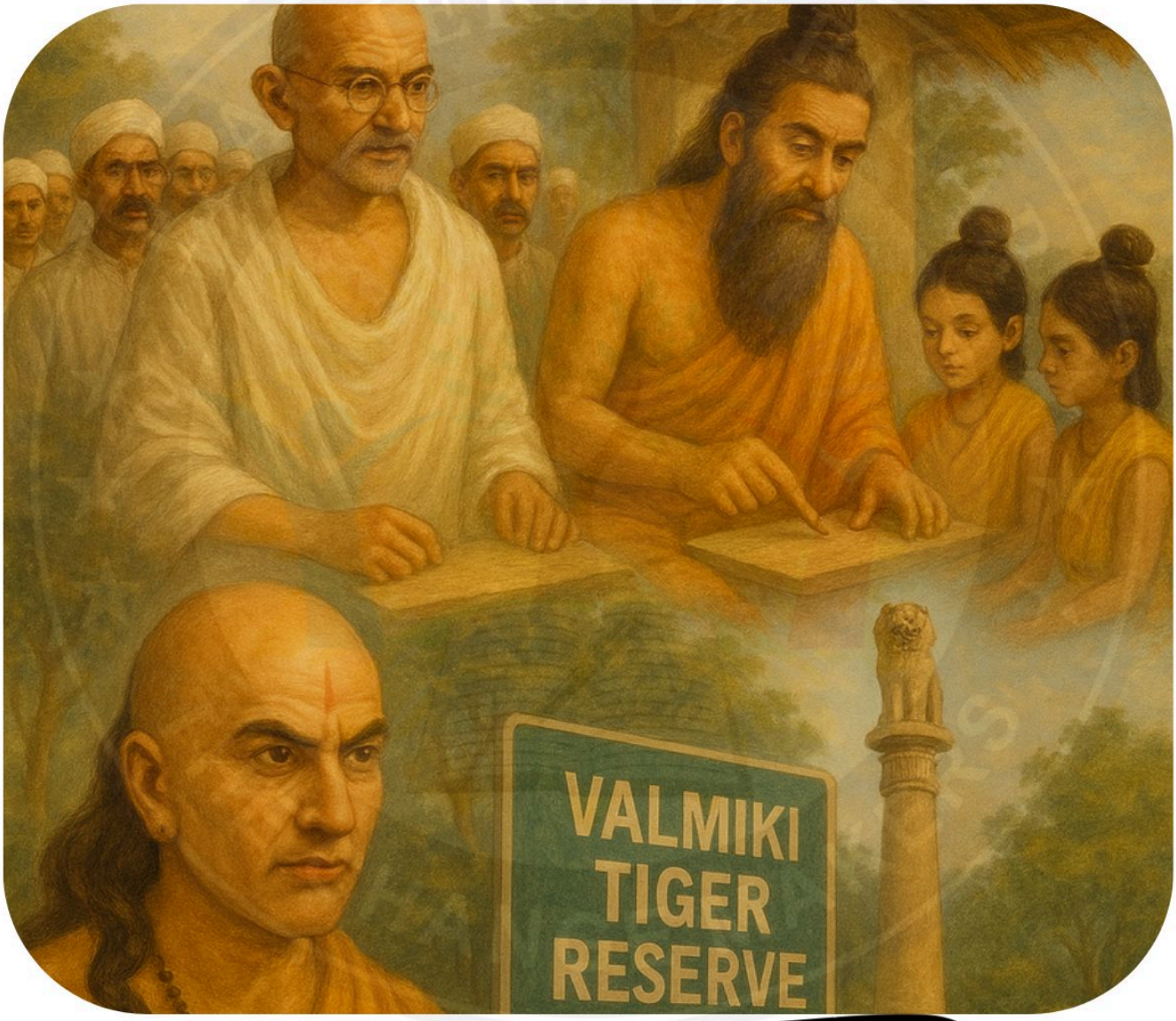

"अगर आप कुछ सोच सकते हैं, तो आप उसे कर भी सकते हैं।" — वॉल्ट डिज्नी

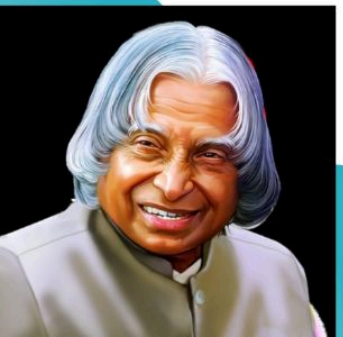

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. केन्या की राजधानी क्या है?
उत्तर: नैरोबी
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राज्यपाल कौन थीं?
उत्तर: सरोजिनी नायडू
प्रश्न 3. 'लोसार' पर्व किस क्षेत्र की संस्कृति से जुड़ा है?
उत्तर: लद्दाख
प्रश्न 4. एक त्रिभुज के तीनों कोणों का योग कितना होता है?
उत्तर: 180°
प्रश्न 5. बिहार की प्रसिद्ध 'मधुबनी चित्रकला' किस क्षेत्र से संबंधित है?
उत्तर: मिथिला
प्रश्न 6. केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 7. वैक्यूम क्लीनर का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: ह्यूबर्ट बूथ
प्रश्न 8. बाल अधिकारों की रक्षा के लिए भारत में कौन-सा आयोग कार्य करता है?
उत्तर: NCPCR (राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग)
प्रश्न 9. 'लड़का' शब्द का स्त्रीलिंग क्या होगा?
उत्तर: लड़की
प्रश्न 10. वायुमंडल में ओजोन परत किस मंडल में पाई जाती है?
उत्तर: समताप मंडल

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Toothbrush – (टूथब्रश) – दाँत साफ करने का ब्रश
Soap – (सोप) – साबुन
Towel – (टॉवेल) – तौलिया
Comb – (कोम) – कंघी
Mirrorcase – (मिररकेस) – आईना रखने का डिब्बा
Bucket – (बकेट) – बाल्टी
Bathroom – (बाथरूम) – स्नानघर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वह ... सकता/सकती है" (He/She can ...)

वह पढ़ सकता है। – He can read.
वह लिख सकता है। – He can write.
वह खेल सकता है। – He can play.
वह गा सकता है। – He can sing.
वह अंग्रेज़ी बोल सकता है। – He can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने किस प्रस्ताव (Resolution) के तहत 27 जून को कौन सा दिवस मनाया जाता है ?
उत्तर: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव A/RES/71/279 के तहत 27 जून को "सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम दिवस" (MSME Day) घोषित किया, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति में MSME क्षेत्र के अतुलनीय योगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। (Shankar IAS Parliament) यह दिवस सर्वप्रथम 27 जून 2017 को मनाया गया था। (newsonair) आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत में MSME क्षेत्र GDP में लगभग 31.1%, निर्यात में 48.58% और विनिर्माण में 35.4% का योगदान देता है तथा 7.47 करोड़ से अधिक उद्यमों में 32.82 करोड़ व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करते हुए कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है। (Bsdma)
संदर्भ: UN General Assembly Resolution A/RES/71/279; ICSB (International Council for Small Business); un.org/en/observances/micro-small-medium-businesses-day; (YouTube) PIB, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26

प्र.2. जून 2026 में भारत और ओमान के बीच लागू हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के तहत ओमान को भारतीय निर्यात का कितने प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुँच मिलेगी?
उत्तर: 99 प्रतिशत से अधिक
व्याख्या: भारत-ओमान CEPA 1 जून 2026 से प्रभावी हुआ, जिसके तहत ओमान को भारत के 99% से अधिक निर्यात पर शुल्क-मुक्त पहुँच प्रदान की जाएगी, जिससे व्यापार, सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा और खाड़ी, अफ्रीकी एवं एशियाई बाजारों तक भारत की पहुँच सुदृढ़ होगी। (National Day Calendar) CEPA (Comprehensive Economic Partnership Agreement) भारत की बहुपक्षीय व्यापार कूटनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ है। ओमान खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) का सदस्य है। यह भारत के MSME और सूक्ष्म उद्यमों के लिए नए निर्यात अवसर खोलता है, जो UPSC GS-II एवं GS-III की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: IBEF रिपोर्ट, 1 जून 2026; (National Day Calendar) PIB प्रेस विज्ञप्ति; वाणिज्य मंत्रालय, भारत

प्र.3. "आनंदमठ" उपन्यास के रचयिता कौन हैं, जिसमें राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" पहली बार प्रकाशित हुआ था?
उत्तर: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
व्याख्या: "आनंदमठ" (Anandamath) प्रसिद्ध बंगाली उपन्यासकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय (1838-1894) द्वारा 1882 में रचित एक ऐतिहासिक उपन्यास है। इसी उपन्यास में "वंदे मातरम्" गीत पहली बार प्रकाशित हुआ, जो स्वाधीनता आंदोलन का प्रेरणास्रोत बना। 1950 में इसे भारत के राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया। यह उपन्यास 18वीं सदी के सन्यासी विद्रोह पर आधारित है जो बंगाल में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध हुआ था। बंकिमचंद्र को आधुनिक बंगाली साहित्य के जनक माना जाता है। उनका "कपालकुण्डला" और "देवी चौधरानी" भी प्रसिद्ध उपन्यास हैं।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 8 — "हमारे अतीत-III", अध्याय 7 — "देशी जनता को सभ्य बनाना, राष्ट्र को शिक्षित करना"; UPSC GS-I भारतीय साहित्य एवं स्वतंत्रता आंदोलन संदर्भ

प्र.4. पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) में वे जीव जो मृत कार्बनिक पदार्थों को अपघटित कर पोषक तत्वों को मिट्टी में वापस करते हैं, क्या कहलाते हैं?
उत्तर: अपघटक
व्याख्या: अपघटक (Decomposers) वे सूक्ष्म जीव हैं — मुख्यतः जीवाणु (Bacteria) और कवक (Fungi) — जो मृत पौधों, जन्तुओं और अन्य कार्बनिक पदार्थों को सरल अकार्बनिक तत्वों में तोड़कर मिट्टी में पुनः मिला देते हैं। यह प्रक्रिया पोषक चक्र (Nutrient Cycle) — जैसे नाइट्रोजन चक्र और कार्बन चक्र — को पूर्ण करती है और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती है। इनके बिना पृथ्वी मृत जैविक पदार्थ से भर जाती। केंचुआ, दीमक जैसे जीव भी अपघटन में सहायक होते हैं, इसलिए इन्हें प्रकृति का "सफाईकर्मी" कहा जाता है। NCERT पर्यावरण विज्ञान में ये पारिस्थितिक तंत्र के अनिवार्य घटक के रूप में वर्णित हैं।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 15 — "हमारा पर्यावरण", पृष्ठ 193-196; NCERT विज्ञान, कक्षा 8,

प्र.5. मुगल सम्राट अकबर ने 1571 में किस नगर की स्थापना की थी जो बाद में उनकी राजधानी बनी किंतु जल-आपूर्ति की कमी के कारण कुछ ही वर्षों में छोड़ दी गई?
उत्तर: फतेहपुर सीकरी
व्याख्या: फतेहपुर सीकरी की स्थापना मुगल सम्राट अकबर ने 1571 ई. में आगरा से लगभग 37 किमी दूर की थी। यह नगर सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह के पास बनाया गया था, जिन्होंने अकबर को पुत्र-प्राप्ति का आशीर्वाद दिया था। 1571 से 1585 तक यह मुगल साम्राज्य की राजधानी रही। पानी की पुरानी आपूर्ति व्यवस्था विफल होने और अफगान आक्रमण के खतरे के कारण इसे छोड़ना पड़ा। यहाँ का बुलंद दरवाजा, पंच महल, दीवान-ए-खास और जामा मस्जिद मुगल स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। UNESCO ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 7 — "हमारे अतीत-II", अध्याय 4 — "मुगल साम्राज्य", पृष्ठ 46-52; UNESCO World Heritage List

प्र.6. "सुंदरबन डेल्टा" विश्व का सबसे बड़ा नदी डेल्टा है — यह किन दो देशों में फैला हुआ है?
उत्तर: भारत और बांग्लादेश
व्याख्या: सुंदरबन डेल्टा गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों द्वारा निर्मित विश्व का सबसे बड़ा नदी डेल्टा है। यह भारत के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश दोनों में फैला है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 80,000 वर्ग किमी है। "सुंदरी" वृक्षों की बहुलता के कारण इसे "सुंदरबन" कहते हैं। यहाँ बंगाल टाइगर (रॉयल बंगाल टाइगर), इरावदी डॉल्फिन और खारे पानी के मगरमच्छ पाए जाते हैं। UNESCO ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। सुंदरबन रामसर स्थल एवं बायोस्फीयर रिज़र्व भी है। यह तटीय क्षेत्रों को चक्रवात से बचाने वाला प्राकृतिक कवच है।
संदर्भ: NCERT भूगोल, कक्षा 9 — "समकालीन भारत-I", अध्याय 2 — "भारत का भौतिक स्वरूप", पृष्ठ 19; NCERT भूगोल, कक्षा 11 — "भारत: भौतिक पर्यावरण", अध्याय 3

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति किसी राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता पर राष्ट्रपति शासन (राज्य आपातकाल) लागू करते हैं?
उत्तर: अनुच्छेद 356
व्याख्या: अनुच्छेद 356 के अंतर्गत यदि किसी राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाए तो राज्यपाल की रिपोर्ट पर या अन्यथा राष्ट्रपति उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर सकते हैं। इसे "राज्य आपातकाल" या "राष्ट्रपति शासन" भी कहते हैं। इस अवधि में राज्य विधानमंडल की शक्तियाँ संसद ग्रहण करती है और राज्य सरकार राष्ट्रपति के अधीन हो जाती है। यह उद्घोषणा संसद के दोनों सदनों द्वारा साधारण बहुमत से अनुमोदित होनी चाहिए। S.R. बोम्मई वाद (1994) में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिए थे।
संदर्भ: NCERT नागरिक शास्त्र, कक्षा 11 — "भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार", अध्याय 7 — "संघवाद", पृष्ठ 129-132; भारत का संविधान, अनुच्छेद 356

प्र.8. वह कौन सी धातु है जो विद्युत की सर्वश्रेष्ठ चालक मानी जाती है और सामान्यतः विद्युत तारों में उपयोग की जाती है?
उत्तर: चाँदी / ताँबा
व्याख्या: विद्युत चालकता के क्रम में चाँदी (Silver) सर्वश्रेष्ठ धात्विक चालक है, किंतु अत्यधिक महँगी होने के कारण विद्युत तारों में व्यावहारिक रूप से ताँबा (Copper) का सर्वाधिक उपयोग होता है। ताँबा (Cu) की विद्युत चालकता बहुत उच्च होती है, यह लचीला और टिकाऊ होता है। ऐलुमिनियम का उपयोग उच्च-वोल्टेज विद्युत लाइनों में किया जाता है क्योंकि यह हल्का होता है। विद्युत चालकता के अवरोधन में रबर, PVC और प्लास्टिक का उपयोग होता है। धातुओं में मुक्त इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति उन्हें विद्युत का सुचालक बनाती है — यह NCERT विज्ञान का मूल सिद्धांत है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 8, अध्याय 14 — "विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव", पृष्ठ 171-174;

प्र.9. ओडिशा का वह कौन सा प्रसिद्ध रथयात्रा उत्सव है जो पुरी में आयोजित होता है और जहाँ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की विशाल रथों पर यात्रा निकाली जाती है?
उत्तर: जगन्नाथ रथयात्रा
व्याख्या: जगन्नाथ रथयात्रा ओडिशा के पुरी में प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को आयोजित होती है। यह भारत के सबसे प्राचीन और विशाल धार्मिक उत्सवों में से एक है। भगवान जगन्नाथ के रथ "नंदीघोष" में 16 पहिये होते हैं, बलभद्र के रथ "तलध्वज" में 14 पहिये और देवी सुभद्रा के रथ "दर्पदलन" में 12 पहिये होते हैं। यह उत्सव सामाजिक समानता का प्रतीक है — सभी जाति, वर्ग के लोग इसमें भाग लेते हैं। "जगर्नाट" (Juggernaut) शब्द अंग्रेजी में इसी रथ से व्युत्पन्न हुआ है। यह UNESCO की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की संभावित सूची में है।
संदर्भ: NCERT सामाजिक विज्ञान, कक्षा 7 — "हमारे अतीत-II", अध्याय 9; भारतीय कला एवं संस्कृति — नितिन सिंघानिया; NCERT कक्षा 11 — "भारतीय कला का परिचय"

प्र.10. बिहार के किस जिले में विश्व प्रसिद्ध "नालंदा विश्वविद्यालय" के प्राचीन अवशेष स्थित हैं, जिसे UNESCO ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है?
उत्तर: नालंदा
व्याख्या: नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन अवशेष बिहार के नालंदा जिले में राजगीर के निकट स्थित हैं। इसकी स्थापना 5वीं शताब्दी में गुप्त वंश के शासनकाल में हुई थी। यह प्राचीन विश्व का सबसे बड़ा एवं व्यवस्थित आवासीय विश्वविद्यालय था, जहाँ 10,000 से अधिक छात्र और 2,000 शिक्षक थे। यहाँ चीनी यात्री ह्वेनसांग (Xuanzang) और इत्सिंग ने अध्ययन किया था। UNESCO ने 2016 में इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। नालंदा विश्वविद्यालय (आधुनिक) को 2014 में राजगीर में पुनः स्थापित किया गया है। यह बिहार की गौरवशाली शैक्षिक विरासत का प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 12 — "प्रारंभिक भारत में स्थान, लोग और काल"; UNESCO

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति वज्रपात के दौरान किसी वाहन (कार/बस) में हो, तो उसे क्या करना चाहिए?
उत्तर: वाहन के भीतर रहें
व्याख्या: BSDMA के वज्रपात सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, धातु से बनी बंद कार या बस वज्रपात के समय एक प्राकृतिक "फैराडे पिंजरे" (Faraday Cage) की तरह कार्य करती है — विद्युत धारा वाहन की धातु की दीवारों से होकर गुज़र जाती है और भीतर बैठे यात्री सुरक्षित रहते हैं। बशर्ते यात्री वाहन की धातु की दीवारों को न छुएँ और खिड़कियाँ-दरवाज़े बंद रखें। तड़ित के दौरान वाहन से बाहर निकलना खतरनाक है। यह सिद्धांत विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और बच्चों को समझाने योग्य है। यात्री वाहनों — ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल या खुले वाहन — में यह सुरक्षा लागू नहीं होती।
संदर्भ: BSDMA — वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; bsdma.org; बिहार आपदा प्रबंधन शिक्षक प्रशिक्षण पुस्तिका; India Meteorological Department (IMD) — Lightning Safety Guidelines

प्र.12. मेरे पास पंख हैं पर मैं उड़ता नहीं। मेरे पास आँखें हैं पर मैं देखता नहीं। मैं हमेशा चलता रहता हूँ पर कहीं जाता नहीं। मैं क्या हूँ?
उत्तर: घड़ी
व्याख्या: इस पहेली में "पंख" से तात्पर्य घड़ी की सुइयाँ (Hands/Arms) हैं जो घड़ी की काँच की पट्टी पर चलती हैं, "आँखें" से तात्पर्य घड़ी के अंकों (Numbers) या चिह्नों से है, और "चलती रहती है पर कहीं नहीं जाती" से तात्पर्य है कि घड़ी की सुइयाँ वृत्ताकार गति में सदा चलती हैं किंतु एक ही स्थान पर रहती हैं। यह पहेली बच्चों में काल-चेतना और सृजनात्मक सोच विकसित करती है। विज्ञान की दृष्टि से घड़ी दोलन (Oscillation) के सिद्धांत पर कार्य करती है — यांत्रिक घड़ी में स्प्रिंग एवं गेयर प्रणाली, और क्वार्ट्ज़ घड़ी में क्रिस्टल दोलन ऊर्जा समय मापन का आधार बनते हैं।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 7, अध्याय 13 — "गति एवं समय", पृष्ठ 153-158 (समय मापन एवं दोलन); तार्किक

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

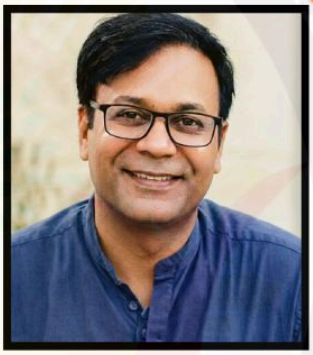

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Foster (फॉस्टर) = Encourage (इन्करेज) = बढ़ावा देना / पालन-पोषण करना
Antonym – Discourage (डिस्करेज) = हतोत्साहित करना
Genuine (जेन्युइन) = Authentic (ऑथेन्टिक) = वास्तविक / असली
Antonym – Fake (फेक) = नकली
Humble (हम्बल) = Modest (मॉडेस्ट) = विनम्र
Antonym – Proud (प्राउड) = घमंडी
Inhibit (इनहिबिट) = Restrict (रिस्ट्रिक्ट) = रोकना / बाधित करना
Antonym – Allow (अलाउ) = अनुमति देना
Justify (जस्टिफ़ाई) = Defend (डिफेन्ड) = उचित ठहराना
Antonym – Blame (ब्लेम) = दोष देना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Genomics 3.0'; Ministry of Health mandates DNA-based precision tracking for oncology treatments in all AIIMS.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-जीनोमिक्स 3.0' की शुरुआत की; स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश के सभी एम्स (AIIMS) अस्पतालों में कैंसर के मरीजों के लिए डीएनए-आधारित प्रिसिजन थेरेपी ट्रैकिंग को अनिवार्य किया, जिससे इलाज अधिक प्रभावी होगा।

ISRO successfully tests 'SlingShot-1' orbital transfer vehicle; slashes cubesat deployment costs by 60% using electro-magnetic propulsion.
इसरो ने 'स्लिंगशॉट-1' ऑर्बिटल ट्रांसफर व्हीकल का सफल परीक्षण किया; विद्युत-चुंबकीय प्रणोदन (Electro-magnetic propulsion) तकनीक का उपयोग करके छोटे उपग्रहों (Cubesats) को उनकी सटीक कक्षा में स्थापित करने की लागत में 60% की कमी आएगी।

Ministry of Petroleum and Natural Gas announces 100% Transition of all Public Transport Buses to Green Hydrogen and EV by 2032 in Metro Cities.
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक नीतिगत घोषणा की; 2032 तक देश के सभी मेट्रो शहरों में सार्वजनिक परिवहन की बसों को पूरी तरह से ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक में बदला जाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'The Orbital Debris Liability Charter'; mandates space debris active-removal fees for private aerospace giants.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'ऑर्बिटल मलबे उत्तरदायित्व चार्टर' पारित किया; अंतरिक्ष में कचरा बढ़ाने वाली निजी एयरोस्पेस कंपनियों पर अब सक्रिय मलबा हटाने (Active Debris Removal) के लिए विशेष वैश्विक शुल्क लागू किया जाएगा।

BBC News: Cambridge and Kyoto University scientists successfully engineer 'Bio-Synthetic Coral Grids' to revive dying reefs.
बीबीसी न्यूज़: कैंब्रिज और क्योटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 'बायो-सिंथेटिक कोरल ग्रिड' विकसित किए हैं; ये कृत्रिम ग्रिड समुद्री शैवाल के विकास को तेज करते हैं, जिससे गर्म होते समुद्रों में भी मरती हुई प्रवाल भित्तियों (Coral Reefs) को तेजी से पुनर्जीवित किया जा सकेगा।

WHO issues global warning on 'Microplastic Inhalation Vectors'; releases safety compliance indexes for synthetic textile manufacturers.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सांस के जरिए शरीर में जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स पर वैश्विक चेतावनी जारी की; कृत्रिम कपड़ों (Synthetic textiles) से निकलने वाले सूक्ष्म कणों को रोकने के लिए कपड़ा निर्माताओं के लिए नए वैश्विक सुरक्षा मानक तय।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Smart-Grid and Renewable Distribution HQ in Gaya to manage solar micro-grids.
बिहार सरकार गया में 'राज्य स्मार्ट-ग्रिड और नवीकरणीय वितरण मुख्यालय' स्थापित करेगी; इसका उद्देश्य दक्षिण बिहार के ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में चल रहे सोलर माइक्रो-ग्रिड से बिजली की आपूर्ति और ग्रिड स्थिरता की चौबीसों घंटे डिजिटल निगरानी करना है।

SCERT Bihar launches 'Ganit-Pragya 2.0'; integrates practical abacus and Vedic math animations in primary school curriculum.
एससीईआरटी बिहार ने 'गणित-प्रज्ञा 2.0' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत प्राथमिक स्तर पर बच्चों में तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए गणित के पाठ्यक्रम में व्यावहारिक एबाकस (Abacus) और वैदिक गणित के एनिमेटेड डिजिटल मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler Priyanshu Rajawat wins the 'Taipei Open 2026' Super 300 title; defeats top seed in a thrilling three-game encounter.
भारतीय बैडमिंटन स्टार प्रियांशु राजावत ने ताइपे ओपन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया; फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर बीडब्लूएफ (BWF) खिताब जीता।

International Weightlifting Federation (IWF) introduces 'Smart-Chalk Biometrics' for elite competitions to analyze real-time palm pressure.
अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलक महासंघ ने कुलीन प्रतियोगिताओं के लिए 'स्मार्ट-चाक बायोमेट्रिक्स' तकनीक का परीक्षण किया; खिलाड़ियों द्वारा हाथों पर लगाए जाने वाले इस विशेष चाक पाउडर में नैनो-सेंसर होंगे, जो बारबेल पर ग्रिप के दबाव और संतुलन का रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण के लिए भेजेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"ज्ञान का संचय ही आपकी वास्तविक क्षमता का निर्माण करता है। प्रतिदिन कुछ नया पढ़ें, निरंतर आगे बढ़ें।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

छोटा विचार, बड़ी सफलता

(27 जून – सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस विशेष)

गर्मी की छुट्टियाँ चल रही थीं। अनमोल रोज़ अपने दादाजी की छोटी-सी किराने की दुकान पर बैठता था। उसने देखा कि लगभग हर ग्राहक सामान के साथ पॉलीथिन (सिंगल यूज़ प्लास्टिक) की थैली माँगता था। दादाजी अक्सर कहते, "बेटा, एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक धरती के लिए बहुत बड़ा संकट बनती जा रही है।"

यह बात अनमोल के मन में घर कर गई। उसने घर में रखे पुराने सूती कपड़ों को देखा और एक नया विचार आया। उसने माँ की मदद से सुंदर कपड़े के थैले तैयार किए। फिर उन पर रंग-बिरंगे अक्षरों में प्रेरक संदेश लिखे—

"सिंगल यूज़ प्लास्टिक छोड़ें, धरती से अपना नाता जोड़ें।"

"कपड़े का थैला अपनाएँ, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएँ।"

"हर खरीदारी की यही पहचान, कपड़े का थैला, स्वच्छ अभियान।"

"आज बचाएँ प्रकृति का मान, तभी सुरक्षित होगा कल का जहान।"

अगले दिन वे थैले दुकान पर रख दिए गए। ग्राहकों ने उन्हें बहुत पसंद किया। कई लोगों ने कहा, "अब हम बाज़ार आते समय यही थैला साथ लाएँगे।"

अनमोल यहीं नहीं रुका। उसने अपने दोस्तों को भी इस अभियान से जोड़ लिया। किसी ने सिलाई की, किसी ने चित्र बनाए और किसी ने लोगों को प्लास्टिक के नुकसान समझाए। देखते ही देखते यह छोटा प्रयास पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बन गया।

विद्यालय खुलने पर प्रधानाचार्य ने अनमोल और उसके साथियों को सम्मानित करते हुए कहा, "यही सच्ची उद्यमिता है—जब एक छोटा विचार समाज की समस्या का समाधान बन जाए।"

उस दिन अनमोल ने समझ लिया कि व्यवसाय का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए उपयोगी बदलाव लाना भी है।

सीख: एक छोटा विचार, मेहनत, नवाचार और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ मिलकर न केवल सफलता दिला सकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर दुनिया बना सकता है। 🌍

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: खोज/अन्वेषण विधि — जब बच्चा खुद बनता है जासूस

शिक्षक साथियों, प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री एच. ई. आर्मस्ट्रांग द्वारा प्रतिपादित 'ह्यूरिस्टिक विधि' (Heuristic Method) ग्रीक शब्द 'ह्यूरिस्को' (Heurisco) से बना है, जिसका अर्थ होता है— "मैं खोजता हूँ"। इस विधि का मूल सिद्धांत यह है कि छात्र को एक 'पैसिव लर्नर' (शांत बैठकर सुनने वाला) बनाने के बजाय उसे एक 'सक्रिय अन्वेषक' (Active Explorer) के रूप में रखा जाए। शिक्षक का काम बच्चों को बनी-बनाई जानकारी या नियम देना नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसी परिस्थितियों में छोड़ना है जहाँ वे खुद जासूसों की तरह सुराग ढूंढें और सत्य तक पहुँचें।

कई बार शिक्षक सोचते हैं कि प्राथमिक स्तर के बच्चे भला क्या खोजेंगे? लेकिन मनोविज्ञान कहता है कि बच्चों के भीतर कौतूहल और जिज्ञासा कूट-कूट कर भरी होती है। वे हर चीज़ को उलट-पुलट कर देखना चाहते हैं। अन्वेषण विधि इसी स्वाभाविक प्रवृत्ति को एक वैज्ञानिक दिशा देती है। इस विधि में शिक्षक की भूमिका एक 'ज्ञान के स्रोत' की नहीं होती, बल्कि एक 'स्टेज मैनेजर' या 'सहयोगी' की होती है, जो केवल सही वातावरण और सामग्री उपलब्ध कराता है।

उदाहरण:

आइए इसे हमारी प्राथमिक कक्षा के एक बहुत ही रोचक और व्यावहारिक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए आप कक्षा 3 के बच्चों को गणित में 'चुम्बक के गुण' (Properties of Magnets) या 'कौन सी चीजें चुम्बक से चिपकती हैं' पढ़ाना चाहते हैं।

- पारंपरिक तरीका: आप ब्लैकबोर्ड पर लिख दें कि "बच्चों, चुम्बक लोहे को खींचता है, लेकिन प्लास्टिक, लकड़ी और कागज़ को नहीं खींचता।" बच्चे इसे कॉपी में लिख लेंगे और रट लेंगे।
- अन्वेषण विधि का तरीका: आप बच्चों को कुछ छोटे चुम्बक दे देते हैं। फिर आप उनसे कहते हैं— "आज आप सब स्कूल के जासूस हैं। इस चुम्बक को लेकर पूरी कक्षा और स्कूल परिसर में घूमिए। हर चीज़ को छूकर देखिए और अपनी कॉपी में दो सूचियाँ बनाइए— 'दोस्त' (जो चिपकते हैं) और 'अजनबी' (जो नहीं चिपकते)।"

अब बच्चे उत्साह से भर जाएंगे। वे बेंच, लोहे की खिड़की, अपनी पेंसिल, रबर, प्लास्टिक की बोतल, दरी, यहाँ तक कि शिक्षक की कुर्सी की कुंडी को भी चुम्बक से छुएंगे। थोड़ी देर बाद वे खुद अपनी कॉपी में लिखेंगे कि "सर, लोहे की कील और पटरी चुम्बक से चिपक गई, लेकिन हमारी कटर और रबर नहीं चिपकी।"

यहाँ बच्चों ने किसी किताब से नहीं पढ़ा, बल्कि एक जासूस की तरह खुद 'खोज' की और निष्कर्ष निकाला। इस तरह से खोजा गया ज्ञान उनके मस्तिष्क में हमेशा के लिए अंकित हो जाता है क्योंकि इसके पीछे उनका अपना रोमांच और मेहनत जुड़ी होती है।

शिक्षक साथियों, खोज विधि का उपयोग करते समय हमें बच्चों को सीधे उत्तर बताने के लोभ से बचना होगा। जब बच्चा आपसे पूछे कि "सर, यह क्यों हुआ?", तो उसे उत्तर देने के बजाय पलटकर एक ऐसा प्रश्न पूछिए जो उसे सही दिशा में सोचने पर मजबूर करे (जैसे— "आपको क्या लगता है, यह किस चीज़ से बना है?")।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि बच्चों को ज्ञान 'परोसने' के बजाय उन्हें ज्ञान 'ढूंढने' का हुनर सिखाइए। जब बच्चे खुद खोजना सीख जाते हैं, तो वे जीवन की किसी भी अनजान समस्या का हल निकालने में सक्षम हो जाते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि कल की कक्षा में आप बच्चों को कौन सा 'रहस्य' सुलझाने के लिए एक जासूस बनाने जा रहे हैं?

.....✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : मुजफ्फरपुर, अंक–3"

गरीबनाथ का शिवत्व, लीची का वैश्विक बाज़ार और उत्तर बिहार की व्यापारिक राजधानी

'संपादकीय' ✍️

मुजफ्फरपुर की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय यहाँ के आध्यात्मिक केंद्रों में धड़कता है, जिसमें बाबा गरीबनाथ धाम का स्थान सर्वोपरि है। शहर के बीचों-बीच स्थित इस अत्यंत प्राचीन शिवालय को "उत्तर बिहार का देवघर" कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ एक बरगद के वृक्ष को काटने के दौरान शिवलिंग प्रकट हुआ था, जिससे रक्त की धारा बह निकली थी; इसके बाद यहाँ के जमींदार ने बाबा गरीबनाथ की स्थापना की, जो दीन-दुखियों के रक्षक माने जाते हैं। सावन के महीने में यहाँ सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर आने वाले 'डाक बम' और लाखों काँवरियों का जनसैलाब उमड़ता है, जो इस जिले को संपूर्ण राज्य का मुख्य सांस्कृतिक मंच प्रदान करता है। इसके साथ ही, कटरा का ऐतिहासिक चामुंडा स्थान (जहाँ मौर्यकालीन साक्ष्य मिलते हैं) और तुर्की का रामचंद्र शाह की मज़ार यहाँ की गहरी धार्मिक सहिष्णुता और 'गंगा-जमुनी तहजीब' के जीवंत पुरातात्विक प्रतीक हैं।

आर्थिक मोर्चे पर मुजफ्फरपुर संपूर्ण उत्तर बिहार की निर्विवाद व्यावसायिक राजधानी है। इस आर्थिकी का सबसे बड़ा और वैश्विक चेहरा यहाँ की शाही लीची है। मुजफ्फरपुर की मिट्टी में मौजूद कैल्शियम और विशिष्ट आर्द्रता के कारण यहाँ उगने वाली शाही लीची को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्राप्त है। हर साल मई-जून के महीने में मीनापुर, मुशहरी और काँटी के बागानों से टूटने वाली यह लीची न केवल भारत के कोने-कोने में जाती है, बल्कि इसका निर्यात लंदन, दुबई और यूरोपीय देशों के बाज़ारों तक होता है, जिससे करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। इसके अतिरिक्त, जिले की रीढ़ यहाँ का 'सूतापट्टी' वस्त्र बाज़ार और 'गोला रोड' की थोक खाद्यान्न मंडी है, जहाँ से नेपाल, उत्तर प्रदेश और पूरे उत्तर बिहार के खुदरा व्यापारी थोक सामानों का क्रय-विक्रय करते हैं।

इस जिले के औद्योगिक परिदृश्य में काँटी थर्मल पावर स्टेशन (KBUNL) का स्थान मील का पत्थर है, जो समूचे उत्तर बिहार को ऊर्जा की आत्मनिर्भरता प्रदान करता है। कुटीर उद्योगों की बात करें तो मुजफ्फरपुर के लहठी (लाह की चूड़ियाँ) उद्योग की धमक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। यहाँ के 'इस्लामपुर' और 'सराय सैयद अली' मोहल्लों में पीढ़ियों से बन रही लाह की कलात्मक चूड़ियाँ न केवल देश के महानगरों बल्कि विदेशों में भी महिलाओं के शृंगार का मुख्य हिस्सा हैं। हाल के वर्षों में महिलाओं के 'जीविका' समूहों और सिकंदरपुर बेल्ट के 'चमड़ा क्लस्टर्स' (Leather Goods manufacturing) ने स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोज़गार का सृजन कर पलायन को रोकने का एक मज़बूत आर्थिक मॉडल पेश किया है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो मुजफ्फरपुर में 'मेगा फूड पार्क' और लॉजिस्टिक्स हब बनने की अपार क्षमताएं हैं। चूंकि यह जिला 'ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर' (NH-57) और NH-28 के चौराहे पर स्थित है, इसलिए यहाँ विशाल कोल्ड स्टोरेज और एग्रो-प्रोसेसिंग इकाइयाँ स्थापित कर लीची, मक्का और आम के पल्प को मूल्य संवर्धित (Value Addition) कर वैश्विक खाद्य बाज़ार से जोड़ा जा रहा है। मोतीझील और सिकंदरपुर मन के एकीकृत सुंदरीकरण से 'वाटर टूरिज्म' और बाबा गरीबनाथ सर्किट को सुदृढ़ कर 'धार्मिक-पारिस्थितिक पर्यटन' (Cultural Tourism) को नए पंख दिए जा सकते हैं, जो स्थानीय युवाओं को हज़ारों प्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम है।

अंततः, मुजफ्फरपुर का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने क्रांतिकारी अतीत की तरह ही आर्थिक मोर्चे पर भी उत्तर बिहार की नियति का नेतृत्व कर रहा है। बाबा गरीबनाथ के जयकारों की गूँज से लेकर सूतापट्टी के बाज़ारों की हलचल तक, लहठी के कारीगरों के हुनर से लेकर शाही लीची की अंतरराष्ट्रीय खुशबू तक–मुजफ्फरपुर आत्मनिर्भर बिहार का एक संपूर्ण और प्रेरणादायक ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस क्षेत्रीय औद्योगिक ढांचे, जीआई-टैग उत्पादों के विपणन और परिवहन-केंद्रित आर्थिकी का यह व्यावहारिक अध्ययन यह समझने की अचूक दृष्टि देता है कि कैसे एक भौगोलिक केंद्र अपनी विशिष्टताओं से पूरे राज्य के विकास चक्र को गति दे सकता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org